

संपादकीय

हम स्वतंत्र व निष्पक्ष पंचायत चुनाव हेतु प्रतिबद्ध



राजेश्वर सिंह

प्रश्न –सर्वप्रथम नगरीय निकायों के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आपको बधाई। इसके मुकाबले पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को आप कितना चुनौतीपूर्ण मानते हैं ?

उत्तर: नगरीय चुनाव कुल 3०9 नगरीय निकायों के 1०845 पार्षद पदों के लिए हुए थे जबकि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 41 जिला परिषदों 457 पंचायत समितियों एवं 14403 ग्राम पंचायतों के कुल 155138 जनप्रतिनिधिपदों केलिए संपन्न होगे। इस प्रकार यह चुनाव ज्यादा विशद, व्यापक और चुनौतीपूर्ण है।

प्रश्न – पंचायती राज चुनाव कितने चरणों में कराने की योजना है और इसके लिए क्या तैयारियाँ की गई है ?

उत्तर: ये चुनाव चार चरणों में संपन्न होगे। इसके लिए लोक सूचना क्रमशः 8 अक्टूबर, 13 अक्टूबर, 19 अक्टूबर तथा 31 अक्टूबर 2०26 को प्रकाशित होगी। प्रथम चरण में पोलिंग पार्टी 21 से 25 अक्टूबर, द्वितीय चरण में 26 से **नवंबर** तक चतुर्थ चरण में 27-28 अक्टूबर के

तुरंत बाद 13 से 17 नवंबर 2०26 तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रहकर चुनाव कराएगी। जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्य पद की मतगणना दिनांक 20 नवंबर 26 को जिला मुख्यालय पर होगी जबकि जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान,पंचायत समिति एवं उप प्रधान, पंचायत समिति का चुनाव क्रमशः 25, 26, 27 एवं 28 नवंबर 2०26 को संपन्न होगा।

प्रश्न – ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पोलिंग पार्टी का पाँच दिवसीय कार्यक्रम किस प्रकार निर्धारित किया गया है ?

उत्तर: पहले दिन पोलिंग पार्टी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पहुँचेगी। दूसरे दिन जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए ईवीएम के माध्यम से मतदान होगा। तीसरे दिन सरपंच व वार्ड पंच के लिए नामांकन लिया जाएगा व चुनाव चिन्ह आवंटित होगा। चौथे दिन इन पदों के लिए बैलट पेपर द्वारा मतदान व मतगणना होगी तथा चुनाव परिणाम घोषित होगा। पाँचवें दिन प्रातः काल वार्ड पंचों के द्वारा उपसरपंच का अप्रत्यक्ष रीति से चुनाव कराकर पोलिंग पार्टी मुख्यालय हेतु प्रस्थान करेगी।

प्रश्न – जिला परिषद एवं पंचायत समिति का चुनाव ईवीएम से तथा सरपंच व वार्ड पंच का चुनाव बैलट पेपर से क्यों कराया जा रहा है ?

उत्तर: राजस्थान में मात्र 1० हजार इवीएम उपलब्ध है। शेष इवीएम केंद्रीय चुनाव आयोग व मध्य प्रदेश राज्य चुनाव आयोग से प्राप्त की गई है जो मात्र जिला

पारिषद पंचायत समिति सदस्य का चुनाव कराने के लिए ही पर्याप्त है। इस वजह से सरपंच व वार्ड पंच का चुनाव बैलट पेपर से कराया जा रहा है।

प्रश्न – सरपंच एवं वार्ड पंच को अपने चुनाव चिह्न के प्रचार–प्रसार के लिए अत्यल्प समय दिया गया है। इस संबंध में आप क्या कहेंगे?

उत्तर: जब से सरपंच एवं वार्ड पंच का पद श्रेणी विशेष के लिए आरक्षित हुआ है, तब से ही संभावित उम्मीदवारों द्वारा चुनाव प्रचार किया जा रहा है। सोशल मीडिया के इस युग में चुनाव चिन्ह को मतदाताओं तक पहुँचाना बहुत बड़ी समस्या नहीं है। मात्र 1० समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम के बल पर यह कार्य बखूबी किया जा सकता है। इसके अलावा सभी मतदान केंद्र ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्थित है अतः इसमें ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। 2०15 तक इसी पद्धति से चुनाव होते थे। उस समय तो सोशल मीडिया का भी इतना प्रचलन नहीं था।

प्रश्न – आपने 457 पंचायत समिति मुख्यालयों पर 1० अक्टूबर, 26 को एक साथ प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशालाएं आयोजित की। इसकी जरूरत क्यों पड़ी और इससे क्या लाभ हुआ है ?

उत्तर: आयोग मुख्यालय पर तथा मेरे सोशल मीडिया पेज पर सैकड़ों की संख्या में नामांकन के साथ लगने वाले डाक्यूमेंट्स एवं योग्यता / निर्योग्यता के संबंध में प्रश्न पूछे जा रहे थे। अतः उचित समझा गया कि एक साथ एक जगह पर सारी जिज्ञासाओं का समाधान कर दिया

बेटे की चाह में बेटी के महत्व को भूल जाना हमारी सामाजिक सोच का ऐसा विरोधाभास है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। संतान का लिंग नहीं, उसका स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।



डॉ. अर्चना गोदारा

नवरात्रि में नौ छोटी बच्चियों को चुनरी ओढ़ाकर उनके चरण खूते समय शायद ही कोई यह सोचता हो कि जिन पैरों में आज देवी के दर्शन किए जा रहे हैं, उन्हीं पैरों से चलकर आने वाली बेटी का जन्म कुछ घंरों में उससी क्यों ले आता है। जिन कन्याओं को घर बुलाकर भोजन कराया जाता है, उनके सम्मान में कोई कमी नहीं रही जाती, उन्ही जैसी किसी बच्ची के अपने घर में जन्म लेने पर कभी-कभी परिवार को खर्च होने के लिए फीकी क्यों पड़ जाती है? यह प्रश्न धर्म या आस्था पर नहीं, हमारी सामाजिक मानसिकता पर है। देवी की पूजा हमारी संस्कृति की एक सुंदर परंपरा है। उसमें शक्ति, समृद्धि, साहस और मातृत्व के प्रति श्रद्धा के भाव जुड़े हैं। लेकिन इस परंपरा के बीच दिखाई देने वाला एक विरोधाभास सोचने को विवश करता है। नवरात्रि में कन्या को देवी मानने वाले समाज वर्ष के बाकी दिनों में बेटी को बेटे के बराबर मानने में संकोच क्यों करता है? बेटे की कामना में ख़त रखने वाली स्त्री की आस्था पर प्रश्न उठाना उचित

नहीं, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि उसके मन में बेटे को लेकर इतनी गहरी आकांक्षा पैदा कहां से होती है। क्या यह केवल उसकी अपनी इच्छा है, या पीढ़ियों से चली आ रही सामाजिक अपेक्षाओं ने उसके भीतर यह धारणा बिठा दी है कि बेटे के बिना परिवार अधूरा है? मेरे आसपास के कस्बों और छोटे शहरों में दिखाई देने वाले ऐसे अनेक दृश्य इस प्रश्न को और गहरा कर देते हैं।

इस मानसिकता की जड़ें केवल किसी एक स्त्री की सोच में नहीं, बल्कि परिवार, परंपरा, सामाजिक प्रतिष्ठा और पीढ़ियों से चले आ रहे व्यवहार में छिपी हैं। कई घरों में सास अपनी बहु से सीधे या परोक्ष रूप से बेटे की अपेक्षा करती है। कभी कहा जाता है कि वंश आगे बढ़ाने वाला चाहिए, कभी बुढ़ापे का सहारा बेटे को बतایा जाता है और कभी परिवार की प्रतिष्ठा को पुत्र से जोड़ दिया जाता है। बहु के गर्भवती होने पर परिवार की गिनाई संतान के स्वस्थ जन्म से अधिक इस प्रश्न पर टिक जाती है कि बेटा होगा या बेटी। बेटी जन्म ले तो सात्वता के स्वर सुनाई देते हैं कि कोई बात नहीं, अगली बार बेटा हो जाएगा। इन शब्दों में छिपा संदेश उस माँ तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि घर की बड़ी हो रही बेटियों के मन तक भी पहुँचता है। वे धीरे-धीरे समझने लगती हैं कि उनके जन्म से परिवार की कोई इच्छा अधूरी रह गई थी। मनोबिपूर्णा हैं, क्योंकि बच्चे अपने बारे में केवल कही गई बातों से नहीं, बल्कि अपने साथ किए जाने वाले व्यवहार से

भी धारणा बनाते हैं। यदि भाई को बेहतर भोजन, अधिक स्वतंत्रता, पढ़ाई के अधिक अवसर और अपनी पसंद चुनने का अधिकार मिलता है, जबकि बहन से त्याग और समझौते की अपेक्षा की जाती है, तो उसके भीतर हीनता, असुरक्षा या अपने ही परिवार में कम महत्वपूर्ण होने का भाव विकसित हो सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि कई सासें और परेलू महिलाएँ स्वयं इसी सोच के बीच पली-बढ़ी होती हैं। उन्होंने अपने जीवन में बेटे को परिवार का गौरव और बेटी को दूसरे घर की अमानत मानते देखा है। इसलिए वे कभी अनजाने में, तो कभी सामाजिक दबाव में, वही व्यवहार आगे बढ़ा देती हैं जो उन्होंने स्वयं सहा था। इसका अर्थ यह नहीं कि हर सास ऐसी होती है या हर माँ बेटे को ही प्राथमिकता देती है। अनेक महिलाएँ इस सोच को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। लेकिन बदलाव के लिए यह स्वीकार करना ज़रूरी है कि स्त्री केवल इस मानसिकता की शिकार ही नहीं, कई बार अनजाने में उसकी वाहक भी बन जाती है।

इस सोच का सांस्कृतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। हमारे व्रतों, त्योहारों और धार्मिक कथाओं की लोकवृत्ति (व्यक्ति का आंतरिक चिंतन और आचरण, जिससे प्रवृत्ति शब्द बना है) और दूसरा आजीविका (जीवन-निर्वाह, व्यवसाय, नौकरी या धन-उपार्जन का साधन)। दुर्गा सप्तशती के दार्शनिक धरातल पर मनुष्य को जगदम्बा की ही चरित्रता का अंश माना गया है। सनातन परंपरा में माँ भगवती की आराधना त्रिगुणात्मक शक्ति के रूप में की जाती है- महाकाली: शक्ति, ऊर्जा, संकल्प और तामसिक वृत्तियों के शमन की प्रतीक। महालक्ष्मी: समृद्धि, ऐश्वर्य, भौतिक साधन और पतसिक वृत्तियों के नियमन की प्रतीक। महासरस्वती: ज्ञान, विवेक,

महानवमी चिंतन – वृत्ति के परिष्कार का संदेश देती है दुर्गा सप्तशती



संदीप जोशी

सनातन परंपरा म शांक्त उपासना का महापर्व नवरात्रि अपनी रूपाँहुति की ओर अठरास है। दुर्गाष्टमी, महानवमी का पुण्य अवसर और इसके साथ ही असत्य पर सत्य की विजय का महान प्रतीक विजयादशमी पर्व है। बंगाल के पन्थ पूजा पंडालों से लेकर गुजरात की रावबा रास की झंकारों तक, और देश के कोने-कोने में स्थापित शक्तिपीठों से लेकर घर-घर के अनुष्ठानों तक-समूचा भारतवर्ष माँ जगदम्बा की भक्ति में स्मरबोध है। नवरात्रि के इन पावन दिनों में अनगिनत साधकों ने व्रत-उपवास किए हैं और दुर्गा सप्तशती के मंत्रों का संस्कार पाठ किया है। दुर्गा सप्तशती केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या स्तुति-संग्रह मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के सर्वांगीण विकास, नैतिक

आचरण और सामाजिक संतुलन का एक अत्यंत व्यावहारिक एवं उच्च दार्शनिक अर्थ है। श्रीमद्भगवद्गीता में सात सी श्लोक है और दुर्गा सप्तशती में भी सात सी श्लोक है। जिस प्रकार भागवत गीता शौर्य पराक्रम उत्साह के साथ जीवन दर्शन का दांथ है, उसी प्रकार दुर्गा सप्तशती भी शौर्य पराक्रम उत्साह के साथ-साथ जीवन का दर्शन भी सिखाती है। सात्विक सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देती है दुर्गा सप्तशती।

इस ग्रंथ के पाँचवें अध्याय में माँ भगवती की एक प्रसिद्ध और अत्यंत लोकप्रिय स्तुति आती है- **नमस्तस्यै नमस्तस्यै।** इसमें देवी की लक्ष्मी रूप में, शक्ति रूप में, मातृ रूप में इत्यादि अनेक रूप में वंदना की गई है। इसी स्तुति का एक श्लोक है—

या देवी सर्वभूतेषु वृत्ति रूरेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

अर्थात्, जो भगवती समस्त प्राणियों में वृत्ति के रूप में विराजमान है, उन आद्यशक्ति को बारंबार नमस्कार है। दुर्गा सप्तशती की यह एक पंक्ति हमें दुनियादारी के प्रपंच से ऊपर उठाकर जीवन के सबसे

महत्त्वपूर्ण विषय हमारे आचरण और हमारी आजीविका पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करती है। यदि एक श्लोक को सात सी श्लोक लिया जाए जीवन में उतार लिया जाए तो भ्रष्टाचार एवं नैतिक स्खलन जैसी व्यापक बड़ी चुनौतियों और समस्याओं का समाधान हो सकता है।

वृत्ति के दो आयाम: स्वभाव और आजीविका का दर्शन-

शास्त्रों और भाषा-विज्ञान के दृष्टिकोण से देखें तो वृत्ति शब्द के दो मूल अर्थ अत्यंत प्रचलित हैं-पहला स्वभाव या मनोवृत्ति (व्यक्ति का आंतरिक चिंतन और आचरण, जिससे प्रवृत्ति शब्द बना है) और दूसरा आजीविका (जीवन-निर्वाह, व्यवसाय, नौकरी या धन-उपार्जन का साधन)। दुर्गा सप्तशती के दार्शनिक धरातल पर मनुष्य को जगदम्बा की ही चरित्रता का अंश माना गया है। सनातन परंपरा में माँ भगवती की आराधना त्रिगुणात्मक शक्ति के रूप में की जाती है- महाकाली: शक्ति, ऊर्जा, संकल्प और तामसिक वृत्तियों के शमन की प्रतीक। महालक्ष्मी: समृद्धि, ऐश्वर्य, भौतिक साधन और पतसिक वृत्तियों के नियमन की प्रतीक। महासरस्वती: ज्ञान, विवेक,

जावे। यह नवाचार सफल रहा और इसकी अत्यधिक सहजना हुई।

प्रश्न – आचार संहिता की पालना के लिए क्या दिशा निर्देश दिए गए हैं ?

उत्तर: वर्तमान में आचार संहिता ग्रामीण क्षेत्रों में लागू है। इस दौरान नई घोषणाओं एवं नई नियुक्तियों पर प्रतिबंध है। जो विकास कार्य पूर्व से चल रहे हैं, वे चलते रहेंगे परंतु नवीन कार्यदेश जारी नहीं किये जा सकते। जयकौय भवनों पर पोस्टर बैनर लगाना प्रतिबंधित है जबकि निजी भवनों पर भी भवन मालिक की अनुमति से ही पोस्टर बैनर लगाया जा सकेगे। रात्रि 1०:०० बजे से प्रातः काल 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित है। दिन में भी लाउडस्पीकर का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति से ही किया जा सकेगा। नामांकन जुलूस व विजय जुलूस बैन किए गए हैं।

प्रश्न – चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं?

उत्तर: प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस बल एवं होमाफा की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील मतदान केंद्रों व क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा ग्राम पंचायत के समूह पर जोनल मजिस्ट्रेट, प्रत्येक पंचायत समिति में एग्रिया मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी की व्यवस्था की गई है। आयोग मुख्यालय एवं प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट में 24 घंटे कार्यरत नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

प्रश्न – अधिकतम मतदान व

मतदाता जागरूकता के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर: शिक्षा प्रशासन तथा स्कूल, कॉलेज के इलेक्टोरल लिटरेंसी क्लब के सहयोग से मतदाता जागरूकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एक खेल लोकतंत्र के नाम, एक दीप लोकतंत्र के नाम, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन मेकिंग, आशुभाषण, निबंध आदि प्रतियोगितायें तथा पंचायत प्रश्नोत्तरी आदि गतिविधियाँ का आयोजन किया जा रहा है जिससे निश्चित रूप से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रश्न – दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए क्या विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं?

उत्तर: दिव्यांग मतदाताओं को घर से लाने ले जाने की व्यवस्था की गई है, जबकि वरिष्ठ मतदाताओं के लिए पृथक् कतार, कुर्सी व पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके लिए एनसीसी / एनएसएस का सहयोग भी लिया जाएगा।

प्रश्न – ग्रामीण मतदाताओं के लिए आपका क्या संदेश है?

उत्तर: ग्रामीण मतदाता किसी भी अतुचित दबाव या प्रलोभन में आए बिना जाति, धर्म से ऊपर उठकर बुद्धिमान, विचारवान, भविष्यदृष्टि संपन्न, कुशल एवं कर्मठ पंचायत प्रतिनिधियों के चुनाव हेतु कृत संकल्प हैं। तांतिका महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की संकल्पना को मूर्त रूप दिया जा सके।

–राजेश्वर सिंह,

राज्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

देशी पर्वों व उत्सवों पर हावी होती बाज़ार संस्कृति

देशी पर्वों व उत्सवों पर हावी होती बाज़ार संस्कृति शहरों के साथ त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। ये हमारे सांस्कृतिक पर्व हैं। लेकिन उनका सांस्कृतिक महत्व अब बाज़ार ने हमसे छीन लिया है। हर कहीं गर्बा के व्यावसायिक इवेंट हो रहे हैं। राजस्थान का घूमर विस्मृत हो गया है, क्योंकि उसका कोई प्रायोजक नहीं है। हमारी स्थानीय लोक संस्कृतियों को गुमनामी के अंधेरे में धकेलने में राज्य भी पीछे नहीं है। राज्य कभी कला और संस्कृति की पवित्रता का संरक्षक हुआ करता था वह भी नासमझी में ईवेंट के जाल में फँस कर उसे बिगाड़ने में लगा है। हमारे त्यौहार उत्सव होते हैं। उनमें सुकून भरा मनोरंजन होता है। औपचारिकताओं से मुक्त खुशियों भरा आपसी मिलन त्यौहारों का माहौल बनाता है। मगर अब सिर्फ प्रायोजित घमाल होता है जिसमें उत्पादों और सेवाओं के ग्राहक होते हैं। पैसा कमा कर बाज़ार का पेट भरने की अंधी दौड़ में उलझे लोग इवेंट में पैसा खर्च करके अपनी उदासियां दूर करने आते हैं। बाज़ार की अपनी संस्कृति होती है जिसमें मुनाफे के अलावा कुछ नहीं होता। उसमें धैर्य भी नहीं होता। मुनाफा भले ही अपराध करके कमाया जाय, मगर उसे तुरंत कमाना होता है। संस्कृतियाँ एक-दूसरे पर असर डालती रही हैं। इतिहास में कभी-कभी कोई संस्कृति किसी दूसरी पर हावी हुई भी लाती है। यह एक धीमी सामान्य सामाजिक प्रक्रिया रही है। लेकिन आज के समय में बाज़ार की ताकतें अपने हिस्सा से सांस्कृतिक रद्धान बनाती हैं और उन्हें बेचती हैं। समाजशास्त्री इसे मोनोकल्चर मार्केटप्लेस कहते हैं, जहां स्थानीय पहचान को कमोडिटी बना दिया जाता है। सुपरमार्केट के गलियारों, स्ट्रीमिंग प्लॉग्रीदम और हमारे शहरों के फास्ट-फ़ैशन बुटिक में इसे स्पष्ट देखा जा सकता है। सांस्कृतिक लेन-देन अब माइश्रण, भूगोल या आध्यात्मिक खोज से नहीं होता, बल्कि वह बाज़ार की ताकतों से चलता है। आधुनिक बाज़ार कल्चरल ट्रेंड्स थोपता है, और चतुराई से स्थानीय संस्कृति को विस्मृत होने की ओर धकेलता है। कॉर्पोरेट-ड्रिवन मोनोकल्चर विरासतों को एफिशिएंसी, स्केल और प्रॉफिट की वेदी पर बलि चढ़ा देता है। संस्कृति ब्रांड नहीं होती। मगर इवेंट के लिये ब्रांड जरूरी होता है और हम स्पष्ट देख रहे हैं कि कैसे बाज़ार अपने मुनाफे के लिये संस्कृति को ब्रांड में बदल दे रहा है। पहले, संस्कृतियों के मेलजोल में सदियों लगती थीं, जिससे समुदायों को खुद को ढालने, फिर से समझने और अपनी मुख्य पहचान बनाए रखने का समय मिलता था। आज, एक प्लगोरिदम कुछ ही घंटों में किसी भी एस्पेक्टिक ट्रेंड को पॉपुलर बना सकता है। जब कोई स्थानीय परंपरा मल्टी-बिलियन-डॉलर मार्केटिंग सिस्टम से टकराती है, तो यह बराबरी की लड़ाई नहीं होती है। स्थानीय संस्कृति इसलिए पीछे नहीं रह जाती क्योंकि वह कमतर होती है, बल्कि इसलिए पिछड़ जाती है क्योंकि उसे व्यवस्थित तरीके से किनारे किया गया होता है। बड़ी टेक कंपनियों से नियंत्रित जिस डिजिटल-इकोसिस्टम में हम रहते हैं उसे विज्ञापन की आय से मुनाफा कमाने के लिये डिज़ाइन किया जाता है। वे आसानी से पचने वाले कंटेंट के लिए ऑप्टिमाइज़्ड प्लगोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। स्टैंडर्डाइज़्ड प्रोडक्ट बनाना सस्ता होता है; मार्केट में उसे वितरित करना और बेचना भी आसान होता है। कला, संगीत या कहानी कहने के बारीक, स्थानीय तरीकों को परे धकेल दिया जाता है। हाइपरमार्केट और ग्लोबल रिटेल चेन धीरे-धीरे पारंपरिक हाट-बाज़ार, स्वतंत्र कारीगर और स्थानीय खुदरा दुकानों की जगह लेती जाती है। इस तरह आधुनिक एयर-कंडीशन्ड मॉल या डिजिटल विक्क-कॉमर्स ऐप लेन-देन का एप्टमाइज़ेशन ले आते हैं। बाज़ार शहरीकरण की होड़ को भी बढ़ाता है क्योंकि ज़मीन-जायदाद के सौदों में सबसे अधिक मुनाफा होता है।

राजस्थान जैसे कठोर भौगोलिक परिस्थितिकी में ‘एस्पेक्टिक’ का जलवा इंसानी हिस्सा की जीत थी। मरु प्रदेश की रंगीन चमकीली पगडियाँ और घाघरे सोशल मीडिया फ़ीड के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे; वे एक बेहमर रेगिस्तान को चुनौती देते हुए ख़ुश रहने के मानवीय प्रयास थे। राजस्थानी संगीत कोई एमिएंटेड लाउंड्र ऑडियो नहीं था। वह ओरल लिटरेचर था जिसमें सदियों की रित्तों, त्याग, मौसम और बारिश की स्मृतियाँ बसती थीं। हमारी संस्कृति में संगीत कभी भी पैसिव मनोरंजन नहीं रहा; वह विविधता वाले जीवंत समुदायों की आध्यात्मिक अनुभूति होती थी। लेकिन बाज़ार को असली सांस्कृतिक

सांस्कृतिक लेन-देन अब माइश्रण, भूगोल या आध्यात्मिक खोज से नहीं होता, बल्कि वह बाज़ार की ताकतों से चलता है। आधुनिक बाज़ार कल्चरल ट्रेंड्स थोपता है, और चतुराई से स्थानीय संस्कृति को विस्मृत होने की ओर धकेलता है। कॉर्पोरेट-ड्रिवन मोनोकल्चर विरासतों को एफिशिएंसी, स्केल और प्रॉफिट की वेदी पर बलि चढ़ा देता है।

सोशल सेम्प्टीनेट नष्ट हो गया है। ग्लोबल कॉर्पोरेशन सदियों की कम्प्यूनिटी की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी से प्योर सरप्लस वैल्यू निकालते हैं। फाइव-स्टार हेरिटेज होटलों या लज़री रेगिस्तानी कैशों में कॉकटेल पीने वाले पेटेंटकों के लिए घंटों चलने वाली पबित्र गाथाएँ दस मिनट के बैकग्राउंड मनोरंजन में बदल दी जाती हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म रेगिस्तान के असली संगीत की जगह छोटे, ऑटो-ट्यून्ड हूक की मांग करते हैं। पारंपरिक संगीतकारों की नई पीढ़ी को आम कर्माश्रित बौद्धिक की ओर जाने को ललचाया जाता है। मौसम के हिसाब से चलने वाले खाने का खर्च होना अपनी आँखों के सामने सबने देखा है। ज़बरदस्त मार्केटिंग ने प्रोसेस्ड स्नैक्स को गांव-गांव, बस्ती-बस्ती में फैला दिया है। यहां तक कि राजस्थानी देशी खाने की चीजों का भी व्यवसायीकरण हो गया है। उन्हें मशीनी दावतों में परोस कर आम आदमी की थाली से छीन लिया गया है। देशी भवन निर्माण का जो हुनर स्थानीय आब-ओ-हवा के हिसाब से सदियों में विकसित हुआ था, जिसमें चूना पथर की दीवारें सांस लेती थी, बीच के आँगन कुदरती हवा आने देते थे। सब समाप्त हो गया है। उनकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। बाज़ार के हिसाब से बनने वाले निर्माण फेक्टरियों में बने कंक्रीट और बड़े कांच के बाहरी हिस्सों पर इतराते हैं जो गर्म जलवायु के लिए बिल्कुल मुफदी नहीं होते हैं। उन्हें रहने लायक बनाने के लिये ज़्यादा ऊर्जा को खपत वाली एयर कंडीशनिंग की ज़रूरत होती है। इस प्रकार स्थानीय संस्कृति में रचे-बसे आर्किटेक्चर की जगह बाहर के आर्किटेक्चरल टेम्पलेट सर्वत्र पसर गये हैं। राज्य भी बाज़ार की पूरी गिरफ्त में है, जो सांस्कृतिक विरासत को बचाने का सिर्फ दिखावे के तौर पर प्रदर्शन करता है। राज्य कॉर्पोरेट टूरिज़्म का समर्थन करता है जो बड़े शहरों और कस्बों के असली ऐतिहासिक मोहल्लों को सजावटी बैकग्राउंड की तरह काम में लेता है। रिहायशी जगहों को, बुटीक, होम-स्टे और एस्पेसो और कॉन्टिनेंटल ब्रेकफास्ट बेचने वाले टूरिस्ट कैफ़े में बदल दिया जाता है। पुराने शहर के बाशिंदे बाहर निकल रहे हैं क्योंकि मोहल्लों को व्यावसायिक मंच में तब्दील किया जा रहा है। बाज़ार की ताकतें स्थानीय संस्कृति को महलों में होने वाली शायदियों, आग यादगार चीजों की दुकानों और स्क्रीन-फ़्रिटेड प्लेक्स के एक चुने हुए खेल के मैदान में बदल कर संस्कृति को इतिहास में धकेल देती है। तब समुदाय इकोलॉजिकल तालमेल, आपसी निर्भरता और कारीगरी के हुनर को खो देते हैं। अलग-अलग संस्कृतियाँ समस्याओं को हल करने, दुख को समझने और खुशी महसूस करने के अलग-अलग तरीके बताती हैं, मगर बाज़ार एक बना बनाया ख़ांचा देता है।

संस्कृति को बाज़ार की चक्कों से बचाने का मतलब यह नहीं है कि इसके लोगों को गरीबी में धकेल दिया जाए या उन्हें आधुनिकरण से दूर रखा जाए। इसके लिए एक ऐसा इकोनॉमिक इकोसिस्टम बनाने की ज़रूरत है जहां स्थानीय पहचान की सांवेनन वैल्यू कॉर्पोरेट ट्रेंड्स से ज़्यादा हो। असली गांव के कामों की मदद करना, पवित्र जगहों का सम्मान करना और असली हाथ से बने सामान की सही कीमत देना इन परंपराओं को जिंदा रखने के लिए ज़रूरी है। इसमें राज्य और समाज दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में नीति निर्माताओं से यह पूछना हमारा फ़र्ज़ बनाता है कि क्या हमारी जीवंत विरासतों की किस्मत तय करने की इजाज़त कॉर्पोरेट बैलेंस शीट को देनी चाहिए? यह पूछा जाना सामयिक है कि राजस्थान को ऐसी कॉर्पोरेट-स्पॉन्सर्ड परछाईं क्यों बनाया जा रहा है जिसमें सिर्फ दरबारी और सामंती परंपराओं का महिमामंडन होता है। ऐसे सवाल पूछे जाने का ग़ुहो समर्थन है। यह पैसिव नॉस्टैलजिया से आगे बढ़कर स्ट्रक्चरल डिफेंस में शामिल होने का समय है। सरकारों को बाध्य करना होगा कि वे सांस्कृतिक विरासत को उसी प्रकार जख्मी ‘ब्लिंक गूड’ (सार्वजनिक कल्याण) माने जिस प्रकार साफ़ हवा या पानीको माना जाता है। स्थानीय इतिहास, स्थानीय भाषाओं और ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल नॉलेज पर जोर देने के लिए शिक्षा पाठ्यक्रम को उपनिवेशी नज़रिये से बाहर निकालना होगा। युवा पीढ़ी को सिखाना होगा कि वे अपनी विरासत को अतीत की पुरानी निशानी के तौर पर नहीं, बल्कि भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए एक एडवॉंस्ड टूल के तौर पर देखें। सांस्कृतिक विविधता उतनी ही ज़रूरी है जितनी बायोडायवर्सिटी इस धरती के बने रहने के लिये ज़रूरी है। जब बाज़ार की ताकतें किसी स्थानीय संस्कृति को खत्म करती हैं, तब समुदाय जिंदगी को देखने का अपनी कलेक्टिव ज़ीनियस का एक हिसा खो देता है। अब समय आ गया है कि बाज़ार के अन्देखे हाथ को रोका जाए और उन अलग-अलग संस्कृतियों को बचाने वाला हाथ बढ़ाया जाए, जो हमारी दुनिया को रहने लायक बनाती हैं। नीति निर्माताओं को समझना होगा कि ऐसा करके ही राजाओं के राजाओं से लेकर औपनिवेशिक दौर और आजादी के बाद के दशकों तक चला आ रहा गरीबी का भूगोल बदला जा सकता है।

–अतिथि संपादक,

राजेन्द्र बोड़ा

(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



पंडित अनिल शर्मा

में संचार करेला

ग्रह स्थिति- सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मकर,

मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज रविवयोग रात्रि 7:48 तक है। भद्रा रात्रि 2:3० से आरम्भ होगी। आज नवरात्रोत्थापन, नवरात्र व्रत पारणा, भरत मिलाप है। पंचक प्रातः 7:०0 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघडिय- लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:22 तक, शुभ 1०:47 से 12:11 तक, चर 3:०० से 4:25 तक, लाभ 4:25 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 12:०० से 1:3० तक, सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 5:5०



मेघ

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।



तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनाएगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।



वृश्चिक

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।



मिथुन

अलवर के प्रताप राजपूत छात्रावास में दशहरा उत्सव, 5०० प्रतिभाओं का सम्मान

शस्त्र पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया

अलवर। प्रताप राजपूत छात्रावास शिक्षा समिति की ओर से मंगलवार को प्रताप राजपूत छात्रावास में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे पारंपरिक शस्त्र पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर समाज के करीब 5०० प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक एवं अन्य क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह

- आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था**

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समिति के संयोजक भावेश ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना तथा क्षेत्र के विकास और सामाजिक हितों से जुड़े विषयों पर 'िवाचार-विमर्श'



पूर्व केन्द्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में प्रताप राजपूत छात्रावास में भव्य दशहरा उत्सव मनाया गया।

करना था। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने दशहरा उत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समाज में शिक्षा, आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक

सहभागिता बढ़ाने और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई। आयोजकों के अनुसार, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करने का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में बेहतर

प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना तथा समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता और प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया गया।

भीलवाड़ा में मतदान दलों को चुनाव सामग्री आज बांटी जायेगी

भीलवाड़ा। पंचायतराज आम चुनाव 2०26 के तहत जिले में मतदान दलों के प्रशिक्षण एवं निर्वाचन सामग्री वितरण व मतदान दलों की रवानगी का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार प्रथम चरण का प्रशिक्षण 21 अक्टूबर 2026 को प्रातः 8:00 बजे से राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तिलक नगर में आयोजित किया जाएगा जिसमें पंचायत समितियों के लिए नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट भी मतदान दलों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के पश्चात मतदान दलों की निर्वाचन सामग्री वितरित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए हैं। प्रथम सत्र: प्रातः 8:०० बजे से 1०.30 बजे तक आयोजित होगा।इस सत्र में बिजौलिया, जहाजपुर, खजूरी, कोटडी एवं मांडलगढ़ के मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बिजौलिया में मतदान केंद्र संख्या 1 से 78 तक,

- प्रथम चरण का प्रशिक्षण राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आज**
- सेक्टर मजिस्ट्रेट भी मतदान दलों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे**

जहाजपुर में 1 से 1०7 तक, खजूरी में 1 से 87 तक, कोटड़ी में 1 से 164 तक तथा मांडलगढ़ में 1 से 120 तक के मतदान केंद्र शामिल हैं। इस सत्र में कुल 56 आरक्षित मतदान दलों सहित कुल 612 मतदान दल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस सत्र के लिए आरक्षित सहित क्रमांक 1 से 62 तक के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहेंगे। मतदान सामग्री प्राप्त एवं वाहनों के प्रस्थान का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार द्वितीय सत्र: प्रातः 11:०0 बजे से दोपहर 1:०० बजे तक आयोजित होगा। इस सत्र में बनेड़ा, करेड़ा, मांडलग एवं सुवाणा क्षेत्र के मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अंतर्गत बनेड़ा में मतदान केंद्र संख्या 1 से 1०8

तक, करेड़ा में 1 से 1०2 तक, मांडल में 1 से 127 तक तथा सुवाणा में 1 से 217 तक के मतदान केंद्र शामिल हैं। इस सत्र में कुल 55 आरक्षित मतदान दलों सहित कुल 6०9 मतदान दल प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस सत्र के लिए आरक्षित सहित क्रमांक 1 से 61 तक के समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहेंगे। मतदान सामग्री प्राप्त एवं वाहनों के प्रस्थान का समय दोपहर 1 बजे से अपराह्न 2:3० बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्य को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण एवं मतदान सामग्री वितरण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रामलीला में रावण वध का रोमांचक मंचन

फुलेरा। कस्बे के रेलवे रामलीला मैदान में चल रही रामलीला के 14वें दिन राम-रावण के बीच घोर संग्राम और रावण वध का रोमांचक मंचन किया गया। युद्ध में रावण के नहीं मरने पर विभीषण ने भगवान राम को उसकी नाधि में स्थित अमृत कुंड का रहस्य बताया। इसके बाद राम ने अग्निबाण से अमृत कुंड को सुखाकर रावण का वध किया। रावण वध होते ही देवी-देवताओं ने आकाश मार्ग से पुष्पवर्षा कर भगवान राम की विजय का उत्सव मनाया।

इस दौरान काली भैरव और शिव परिवार की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रावण वध के बाद 6० फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। भव्य सजावट और आतिशबाजी के बीच आयोजित मेले में लोगों ने जमकर खरीदारी की आज होगा **रामलीला महोत्सव का समापन** : बुधवार को भरत मिलाप, भगवान राम के राजतिलक और पारितोषिक वितरण के साथ 15 दिवसीय रामलीला महोत्सव का समापन होगा।

टाईगर श्रॉफ के हमलावरों को कड़ी सुरक्षा में मुंबई ले गई पुलिस

कोटा, (निर्स)। बॉलीवुड अभिनेता टाईगर श्रॉफ फायरिंग केस में पकड़े गए आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार सुबह मुंबई पुलिस का काफिला लेकर रवाना हो गया। मुंबई में टाईगर श्रॉफ के कार पर हुई फायरिंग की घटना से जुड़े तीन आरोपियों को कोटा पुलिस ने सोमवार को पूणे-जयपुर ट्रेन से धर दबोचा था, इसके बाद कोटा पहुंची मुंबई पुलिस ने सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोटा में सोमवार रात्रि को रेलवे कॉलोनी थाने के हवालात में रखा गया, इस दौरान थाने के बाहर और परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए क्विक रिस्पांस फोर्स का विशेष जाब्ता तैनात किया गया। आरोपियों का पीछा करते हुए मुम्बई पुलिस भी सोमवार को कोटा पहुंच गई थी, पुलिस टीम ने सोमवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश किया और सभी जरूरी मॉडिकल टेस्ट कराए गए, न्यायालय से ट्रॉजिट रिमांड हासिल कर मुम्बई पुलिस मंगलवार सुबह आरोपियों को लेकर रवाना हो गई, कोटा पुलिस भी इन्हें शहर की सीमा तक एस्कॉर्ट किया। कोटा शहर पुलिस ने मामले में सूचना पर कार्यवाही करते हुए पूर्ण-जयपुर ट्रेन के जनरल कोच से दो आरोपी रैगन व ऋतिक सहित व एक नाबालिग को पकड़ा था।

भीलवाड़ा सिंधी समाज ने महानवमी पर कन्या पूजन किया

भीलवाड़ा। सिंधी समाज सेवा संस्थान (उत्तर क्षेत्र) में मंगलवार को महानवमी के उपलक्ष में कन्या पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरसी व्यास कॉलोनी स्थित सिंधु भवन पंच परमेश्वर झुलेलाल मंदिर में प्रातः महाभाया मातारानी की विशेष पूजा अर्चना, मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया जिसमें सम्मिलित सभी यजमानों ने देश व समाज की सुख समृद्धि के

- सम्मिलित सभी यजमानों ने देश व समाज की सुख समृद्धि के लिये आहूतियां दीं**

लिये आहूतियां दीं। मंदिर में महाआरती के पश्चात 51 कन्याओं को साक्षात देवी स्वरूपा भगत कर उनको चरण वन्दना कर पूजन किया गया। अंत में सभी कन्याओं को भोजन करवा कर उन्हें फल, चॉकलेट, फ्रीज, स्टेशनरी एवं अन्य कई उपहार भेंट किये गये। बाद में सभी श्रद्धालुओं के लिये भण्डारा प्रसादी आयोजित की गई। मौडिया प्रभारी पंकज हेमराजानी ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष लालचंद नथरानी, संरक्षक भगवानदास नथरानी, मुख्य

पैथर की दस्तक से दहशत

मसूदा। प्राग पंचायत किराण में पैथर की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। पैथर की गतिविधि की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग के अधिकारी हजारीलाल ने मामले की जानकारी ली और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में पिछले कुछ समय से पैथर की गतिविधियां देखी जा रही हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी इसकी मौजूदगी दिखाई दी है। ठा़मीणों का दावा है कि पैथर पहले भी कई बार क्षेत्र में नजर आ चुका है और मवेशियों का शिकार कर चुका है। इससे पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में जल्द पिंजरा लगाकर पैथर को सुरक्षित पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी जनहानि या पशु हानि की आशंका को रोका जा सके।

सोते हुए मजदूर पर चढ़ा पानी से भरा टैंकर, मौत

- मिल के अंदर सूख रही ऊन पर आराम कर रहा था, सिर बुरी तरह कुचला**

रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया की गली नंबर 7 में एक ऊन मिल का है। कोटगेट थानाधिकारी विक्रम तिवारी ने बताया कि मजदूर मिल परिसर में खुले में पड़ी ऊन पर आराम कर रहा था। रात में काम के बाद उसे वहीं नींद आ गई। इसी दौरान 1० हजार लीटर पानी से भरा टैंकर वहां पहुंचा। टैंकर चालक को पता नहीं था कि ऊन के ऊपर मजदूर सो रहा है। ऐसे में टैंकर उसके ऊपर से निकल गया। हादसे में टैंकर का पहिया मजदूर के सिर के ठीक से गुजर गया, जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचल गया।

3.7 4 लाख रुपए के कॉपर चोरी के मामले का खुलासा, नौ पकड़े

- शत-प्रतिशत बरामदगी कर सफलता की मिसाल पेश की**

मामले की जांच शुरू की। करीब 7० सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और फास्टेग रिकॉर्ड की मदद से जांच टीम प्रयागराज तक पहुंची। मामले में आठ आरोपियों और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वाराणसी में प्रयुक्त पिकअप भी जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि सहायक सुरक्षा

आयुक्त मुकेश कुमार व टीम को निर्देश के बाद पर्यवेक्षण में टीम ने घटनास्थल और आसपास के करीब 7० कैमरों के फुटेज खंगाले। संदिग्ध पिकअप की पहचान के बाद टोल प्लाजा के फुटेज और फास्टेग रिकॉर्ड से उसकी आवाजाही का पता लगाते लगाते टीम 1९ अगस्त को प्रयागराज के करछना क्षेत्र स्थित देवरी खुर्द गांव पहुंची और यूपी 7० पीटी 66६4 नंबर की पिकअप जब्त की। इसके बाद 23 अगस्त को नरेंद्र पटेल उर्फ कार्तिक मनोज शिवम पटेल शुभम पटेल और नीरज कुमार पटेल को गिरफ्तार किया गया।

युवक की हत्या के मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार

जोधपुर। शहर की माता का थान पुलिस ने हत्या के आरोप में दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। हत्या की आर्थिक वजह पैसों के लेन देन की सामने आई है। फिलहाल पकड़े गए दोनों भाइयों से पुलिस पूछताछ में जुटी है। घटना में घायल की अस्पताल में मौत के बाद परिजन ने रिवार को प्रदर्शन भी किया था। पुलिस ने नामजद दोनों आरोपियों को अब गिरफ्तार कर लिया। दोनों को आज कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया। माता का थान थानाधिकारी अनिल यादव के अनुसार प्रकरण में मूलत : सुरपुरा खुर्द भोपालगढ़ हाल शिवजी नगर, 8० फीट रोड, पुरानी प्याउ के पास रहने वाले हेमंत (27) पुत्र रतनलाल दाधीच, मोहित दाधीच (21) पुत्र रतनलाल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 15 अक्टूबर को लेनदेन को लेकर विवाद में आरोपियों ने संजय सोनी को रात 11.3० बजे के करीब बहाने बुलाया था। इसके बाद उससे बेरहमी से मारपीट की। जिसके चलते वो गंभीर रूप से घायल हो गया था। संजय सोनी की एमजीएच में उपचार के बीच मौत हो गई थी। मृतक की मां सवित्री पत्नी मनोज सोनी की ओर से थाने में मामला दर्ज करावाया गया था। जिसमें हेमंत, उसके भाई व अन्य के खिलाफ उनके बेटे ओर उसके दोस्त को रास्ते में रोककर मारपीट करने की।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निर्स)। कैथून थाना इलाके में पुरानी रॉजिश के चलते युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के दर्ज मामले में कैथून पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से वादता में प्रयुक्त चाकू एवं मोटरसाईकिल जप्त की है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कोटा ग्रामीण में अपराधों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की

धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन किमीनल डस्टिंग चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 15 अक्टूबर को फरियादी आरिफ हुसैन ने थाना कैथून में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके भतीजे वसीक उर्फ वसीम (23) पर अयान मेव और बिट्टू मेव ने पुरानी रॉजिश के चलते चाकू से जानलेवा हमला किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को

गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक अरूण कुमार के सुपरविजन में कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार के नेतृत्व मे टीम का गठन किया गया। हमले के दो आरोपी कैथून के भीमपुरा निवासी अयान मेव (2०) एवं जालखेड़ा निवासी रेहान उर्फ बिट्टू मेव (21) को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल व दो अवैध चाकू बरामद किये है।

रियासतकालीन परंपराओं के साथ हुआ रावण दहन

कोटा रियासत के पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने मैदान में विधि-विधान के साथ ज्वारा पूजन किया

कोटा (नि.स.) कोटा की ऐतिहासिक और रियासतकालीन परंपराओं का निर्वहन करते हुए रावण दहन उत्साह और उत्सास के साथ संपन्न हुआ। मंगलवार को दशहरा मैदान स्थित विजयश्री रंगमंच के सामने बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक रावण धू-धू कर जल उठा। जिसमें शामिल होने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस गरिमामयी आयोजन ने एक बार फिर कोटा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। इस दौरान कोटा रियासत के पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने मैदान में विधि-विधान के साथ ज्वारा पूजन और श्री सीता जी के पाने का विशेष पूजन संपन्न किया। इन धार्मिक अनुष्ठानों के पूरा होने के बाद, परंपरा

के अनुसार पूर्व महाराव इज्यराज सिंह ने नाभि कलश पर सटीक तीर चलाकर अमृत कलश को भेदा। उनके अमृत कलश फोड़ते ही अहंकारी रावण के कुनवे के वध और बुराई के अंत का सिलसिला शुरू हो गया। पंचांग मुहूर्त एवं तय मुहूर्त के अनुसार रात 8.24 बजे से रावण के कुनवे का दहन शुरू हुआ। पुतलों में आग लगते ही दहन स्थल पर मौजूद हर शख्स के हाथ में मोबाइल कैमरे जगमगा उठे। सबसे पहले कुंभकर्ण और फिर मेघनाद के पुतले को आग लगाई गई, और अंत में रात 8.34 बजे 1०5 फीट ऊंचे विशालकाय रावण के पुतले का दहन आरंभ हुआ। इस बार 1०5 फीट ऊंचे रावण तथा 72–72 फीट के कुंभकर्ण

व मेघनाद के पुतलों का निर्माण किया गया थारावण के पुतले में पूरी तरह से ग्रीन आतिशबाजी का प्रयोग किया गया था। जिससे यह दहन पॉल्यूशन फ्री और इको-फ्रेंडली रहा। रावण की छतरी, मुकुट, नक्काशी, डाल और कंधों में हुए हनुमान चालीसा का पाठ किया। मेला परिसर में श्रीराम रंगमंच से रंगीन और भव्य आतिशबाजी ने दर्शकों के रोमांच को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। आसमान में रंगीन अश्फरियां की छटा और गुंजन वाले पटाखों की आवाज से पूरा दशहरा मैदान जगमगा उठा। मेला मैदान में दिनभर लोगों का ताता लगा रहा।

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है, वह अपनी जड़ों से कट जाता है, इसलिए जरूरी है कि हम इतिहास से लगातार जुड़े रहें। मंगलवार को बीजेएस, राजपूत सभा भवन में वीर शिरोमणि महाराव शेखाजी की जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि भारत के बौद्धिक ज्ञान, विज्ञान, संपदा और समृद्धि से आकर्षित होकर अनेक आक्रांता यहां आए। भारत की सभ्यता और उसकी संपन्नता ने विदेशी शक्तियों को आकर्षित किया। सिकंदर के समय से लेकर हूणों, कुषाणों और बाद के

- महाराव शेखाजी जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित**
- प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि भारत के बौद्धिक ज्ञान, विज्ञान, संपदा और समृद्धि से आकर्षित होकर अनेक आक्रांता यहां आए**

आक्रांताओं तक भारत ने लंबे समय तक बाहरी आक्रमणों का सामना किया। इसके बावजूद भारतीय सभ्यता की निरंतरता बनी रही। इसका श्रेय उन पूर्वजों के साहस, संघर्ष, त्याग और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट निष्ठा को जाता है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी देश

की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा। केंद्रीय मंत्री ने समाज से अपने इतिहास और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित करने का आ न करते हुए कहा कि पूर्वजों के आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, अपितु उन्हें नई पीढ़ी के

संस्कारों और जीवन मूल्यों का हिस्सा बनाना चाहिए। इतिहास से जुड़ाव ही समाज को अपनी पहचान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक बनाए रखता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इतिहास पुरुषों के शौर्य, संघर्ष और आदर्शों को केवल जयंती समारोहों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। समाज का विकास केवल राजनीतिक सामर्थ्य से नहीं, अपितु शिक्षा, संस्कार, सामाजिक एकता और चरित्र निर्माण से होता है। केंद्रीय मंत्री ने समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक

विरासत के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सशक्त, जागरूक और संस्कारवान समाज का निर्माण करना चाहिए। इसके लिए सामाजिक एकता मजबूत करने, युवाओं को प्रोत्साहित करने और अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान को बहाल विकसित करने की आवश्यकता है। कृषि विश्विद्यालय के कुलपुर्ग डॉ वीरेंद्र सिंह जैतावत, प्रोफेसर कल्याण सिंह शेखावत, मारवाड़ राजपूत सभा अध्यक्ष रविन्द्र सिंह राणावत, पार्षद स्वरूप सिंह सांगलिया सहित अनेक गणमान्य लोग एवं समाज के वंधु मौजूद रहे।

रितु बराला मामले में कांग्रेस का धरना जारी, प्रदर्शन के दौरान धक्का-मुक्की धरने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेता रातभर कमिश्नरेट परिसर में बैठे रहे

जयपुर। दिल्ली में एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव रितु बराला के साथ कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर राजस्थान में कांग्रेस और पुलिस के बीच गतिरोध मंगलवार को भी जारी रहा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का जयपुर पुलिस कमिश्नरेट परिसर में घरना दूसरे दिन भी जारी रहा। वहीं,

- **सूत्रों का कहना है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी डोटासरा को फोन कर जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने को कहा था, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमिश्नरेट पहुंचे**

कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया।

सोमवार शाम से शुरू हुए धरने में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और अन्य नेता रातभर कमिश्नरेट परिसर में बैठे रहे। मंगलवार सुबह भी नेताओं ने घरनातला पर ही चाय-नाश्ता किया। बाहर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स और दीवारों पर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो धक्का-मुक्की और हल्की झड़प हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और महिला



कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया।

कार्यकर्ता फिर धरने पर बैठ गए। प्रशासन ने कमिश्नरेट के दोनों मुख्य द्वारों पर बैरिकेडिंग कर परिसर में आमजन का प्रवेश बंद कर दिया।

प्रदर्शन के कारण गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे और एमआई रोड की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।

वहीं दूसरी ओर रितु बराला सोमवार को कांग्रेस की कानूनी टीम और नेताओं के साथ मोती डूंगरी थाने पहुंची थीं। वहां संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए लिखित शिकायत दी गई। कांग्रेस विधायक रफीक खान, अमीन कागजी और अन्य नेताओं ने भी शिकायत दर्ज करने की मांग की। इसके बाद उन्हें पुलिस कमिश्नरेट जाने के लिए कहा गया। शाम करीब 6:15 बजे डोटासरा, खाचरियावास, विधायक रफीक खान और जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल कमिश्नरेट पहुंचा। वहां पुलिस कमिश्नर सचिन मिश्ल मौजूद नहीं थे। डोटासरा ने फोन पर उनसे बात कर मामले को व्यक्तिगत मुद्दा नहीं बनाने और जीरो

एफआईआर दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शिकायत दर्ज होने तक वे कमिश्नरेट से नहीं हटेंगे।

सूत्रों का कहना है कि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी डोटासरा को फोन कर जयपुर में एफआईआर दर्ज कराने को कहा था, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमिश्नरेट पहुंचे।

जयपुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज करने से इनकार करते हुए कहा कि 13 अक्टूबर की घटना के संबंध में रितु बराला ने उसी दिन दिल्ली के कॉर्नट प्लेस थाने में शिकायत दी थी। पुलिस के अनुसार इस शिकायत पर एफआईआर संख्या 291/2026 दर्ज है और दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है। ऐसे में समान तथ्यों के आधार पर जयपुर में अलग से एफआईआर दर्ज करना विधिसम्मत नहीं माना गया है।

पुलिस ने रितु के इस कथन को भी सही नहीं माना कि इलाज में व्यस्त रहने के कारण वह दिल्ली में शिकायत दर्ज नहीं करा सकीं। पुलिस के

अनुसार, घटना वाले दिन ही दिल्ली पुलिस को शिकायत दे दी गई थी। आगे की कार्रवाई दिल्ली पुलिस की जांच के आधार पर होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी कानून की पालना नहीं कर रहे हैं और राजस्थान की बेटी को न्याय दिलाने की मांग पर कार्रवाई से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी एफआईआर दर्ज करने की बात तो करते हैं, लेकिन न रिपोर्ट दर्ज कर रहे हैं और न ही स्थिति स्पष्ट कर रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस नेता भूखे-प्यासे धरने पर बैठे हैं और रितु को न्याय दिलाने के बाद ही उठेंगे। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज होने तक आंदोलन जारी रखने की बात दोहराई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सवाल उठाया कि रितु बराला की शिकायत पर कार्रवाई की मांग के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में परेशानी क्यों हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में शिकायत देने के बावजूद मामले में कार्रवाई नहीं की गई।

झगड़े के बाद महिला की हत्या की आशंका: लिव-इन पार्टनर फरार

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही 35 वर्षीय महिला का शव मंगलवार एक फ्लैट में मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को महिला के लिव-इन पार्टनर युवराज पर हत्या करने का शक है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार है। पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आरोपी की तलाश में टीमें लगाई हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला पर किसी भारी वस्तु से वार कर उसकी हत्या की गई।

थानाधिकारी कविता यादव ने बताया कि मृतका पिछले काफी समय से युवराज के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। दोनों किराए के फ्लैट में रहते थे और मिलकर टिफिन सेंटर चलाते थे। युवराज शादीशुदा था,

विजयादशमी मनाई

जयपुर। छोटीकाशी के देवी मंदिरों में मंगलवार को महानवमी और विजयादशमी का पूजन हुआ। आमेर शिला माता मंदिर में मंगलवार को विजयादशमी मनाई गई। पुजारी बनवारी लाल शर्मा ने मंदिर में रखे शर्खों का पूजन किया। 21 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे नवरात्र उत्थापना होगा। दुर्गापुरा के दुर्गामाता मंदिर, घाटगेट स्थित काली माता मंदिर, झालाना डूंगरी स्थित कालक्या माता मंदिर, राजापार्क स्थित वैष्णो देवी मंदिर, पुरानी बस्ती स्थित चंद्र घंटेखरी मंदिर में नवमी पूजन के बाद दशमी तिथि पूजन हुआ।

ठिकाना मंदिर गोविन्द देव जी, के कनक घाटी आमेर रोड स्थित अधीनस्थ मंदिर देवी मनसा माता में नवरात्र महोत्सव के तहत मंगलवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोरखामाी के सांनिध्य में श्रवण नक्षत्र में महानवमी पूजन हुआ। कन्या पूजन-बटुक पूजन कर उपहार भेंट किए गए। प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का भी पूजन किया गया। इसके बाद हवन किया गया। 21 अक्टूबर को धनिष्ठा नक्षत्र में प्रातः 10:47 बजे तक अपराजिता पूजन होगा।

- **शादीशुदा होने के बावजूद महिला के साथ रह रहा था युवक**
- **दोनों मिलकर चलाते थे टिफिन सेंटर**
- **एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य**

इसके बावजूद वह अपनी पत्नी से अलग रहकर महिला के साथ रह रहा था।

पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। पुलिस को आशंका है कि इसी दौरान युवक ने किसी भारी वस्तु से महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी महिला का शव फ्लैट के कमरे में छोड़कर फरार हो गया। हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों और घटनाक्रम की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इसी दौरान पड़ोसी फ्लैट

पर पहुंचे तो कमरे में महिला का शव पड़ा मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिवजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को युवराज पर महिला की हत्या कर फरार होने का शक है।

अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों की ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर गिरोह का पर्दाफाश

- **भांकरोटा में फर्जी तकनीकी सहायता कॉल सेंटर पर पुलिस की दबिश, 8 युवक और 2 युवतियां डिटैन**
- **19 मोबाइल, 12 लैपटॉप और अन्य उपकरण बरामद, एक्स-लाइट सॉफ्टवेयर, टीएफएन नंबर और टेलीग्राम के जरिए चल रहा था ठगी का नेटवर्क**

ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी आईफोन में तकनीकी समस्या दूर करने के नाम पर अमेरिकी नागरिकों से संपर्क करते थे। एक्स-लाइट सॉफ्टवेयर और टीएफएन नंबरों के माध्यम से ग्राहकों से बातचीत की जाती थी। तकनीकी सहायता देने का भरोसा दिलाकर उन्हें बातचीत में उलझाया जाता और सहायता के नाम पर शुल्क वसूला जाता था।

पुलिस के अनुसार इस प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों को विश्वास में लेकर उनके बैंक खातों से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाता था। इसके बाद इस जानकारी का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकालने

की आशंका है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक गिरोह में शामिल एक युवती कथित तौर पर बैंक अधिकारी बनकर ग्राहकों से बातचीत करती थी। वह उन्हें विश्वास में लेकर बैंक खातों से संबंधित गोपनीय जानकारी हासिल करती थी। इसके बाद यह जानकारी टेलीग्राम समूह में साझा की जाती थी। गिरोह में संचालक इन जानकारीयों का दुरुपयोग कर खातों से रकम निकाल लेते थे। पुलिस इस पूरे तरीके और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। 19 मोबाइल फ़ोन, 12 लैपटॉप और बड़ी मात्रा में लैपटॉप से जुड़ी सामग्री जब्त की है।

‘लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ’ अभियान के लिए टीम गठित

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान ने ‘लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ’ अभियान के तहत प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया है। इसमें मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल को प्रदेश संयोजक बनाया है। वहीं प्रदेश सह-संयोजक की जिम्मेदारी पूर्व उप महापौर पुनीत कर्णावट और भवानीशंकर शर्मा को सौंपी गई है। अभियान के तहत सात कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए प्रमोद वशिष्ठ, लक्ष्मीकांत पारिक और योगेश सिंह सिसोदिया को जिम्मेदारी दी गई है। पदयात्रा के लिए नारायण मीणा, एकता अग्रवाल, नीरज जैन और

- **अभियान के लिए मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा और प्रदेश मंत्री सीताराम को प्रदेश संयोजक बनाया**

विक्रम सिंह शेखावत को शामिल किया गया है। राष्ट्र चिंतन संवाद के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक गोपाल शर्मा, राखी राठौड़ और अटल खंडेलवाल जिम्मेदारी संभालेंगे। युवा संवाद के लिए आईदान सिंह माटी, शंकर गोरा, कैलाश वर्मा और नरेश ओझा को जिम्मेदारी दी गई है। छात्रों की प्रतिस्पर्धा के लिए अपूर्वा सिंह, श्याम सिंह राजावत और होशियार मीणा को शामिल किया गया है। वहीं ‘युसपैडिया हटाओ, लोकतंत्र बचाओ’ कार्यक्रम के लिए सुमन शर्मा, श्याम अग्रवाल, अविनाश जोशी और सोन्या गुर्जर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विविधोंक पत्रिकाओं के लिए राजेंद्र सिंह शेखावत, बीरू सिंह राठौड़ और शिव शंकर शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है।

चांदपोल के रामचंद्र जी मंदिर में शस्त्र पूजन

जयपुर। विजयादशमी पर मंगलवार को चांदपोल बाजार स्थित ठिकाना मंदिर रामचंद्रजी में रियासतकालीन परंपरा के अनुसार आयुध-शस्त्र पूजन किया गया। शाम छह बजे महंत परिवार की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धनुष, बाण, तलवार, खड्ग, कटार, भाला, गदा, बंदूक और फरसा सहित विभिन्न प्राचीन शस्त्रों की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर में ठाकुरजी का राजसी दरबार सजाया गया। हवाई आतिशबाजी और बधाई उत्सव के बीच श्रद्धालुओं ने विजयादशमी का पर्व मनाया। महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि मंदिर में रियासतकाल से ही विजयादशमी के दिन शस्त्र पूजन की परंपरा निभाई जा रही है। उनके अनुसार, जयपुर में इस मंदिर में विशेष रूप से आयुध पूजन किया जाता है। प्राचीन शस्त्रों को सुरक्षित रखने के लिए मंदिर में अलग से शस्त्रागार भी बना हुआ है। दशहरे के दिन इन शस्त्रों को बाहर निकालकर विधि-विधान से पूजा जाता है। मंदिर के शस्त्रागार में कई ऐतिहासिक और प्राचीन आयुध सुरक्षित हैं। इनमें करीब 10 किलो वजन और तीन फीट लंबा धनुष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसे वर्ष 1882 में माजी साहब गुलाब कंवर ने भेंट किया था। इसके अलावा करीब आठ किलो वजन की दोधारी खड्ग और पांच किलो वजन की चांदी की तलवार भी शस्त्रागार की प्रमुख धरोहर हैं। चांदी की तलवार नरेश माधोसिंह ने भेंट की थी। मंदिर में सूर्य चिह्न अंकित काठ की बंदूक भी मौजूद है, जिसे राजा भवानी सिंह ने भेंट किया था। इसके अलावा 10 फीट लंबे भाले, सिंहमुख गदा, लठ और चांदी की परत चढ़े अन्य शस्त्र भी सुरक्षित रखे गए हैं।

निर्माणाधीन मकानों से एसी के कॉपर वायर चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

जयपुर । मुरलीपुरा थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाकर एसी के कॉपर वायर चोरी करने के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 8 किलो कॉपर वायर बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि परिव्रादी भूमेन्द्र कुमार शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी

- **8 किलो तांबा बरामद, नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी**

कि 2 सितंबर को उनके निर्माणाधीन मकान की साइट से एसी का कॉपर वायर चोरी हो गया। इस संबंध में मुरलीपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया।

वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के



मुरलीपुरा थाना पुलिस ने वायर चोरी करने के मामले में एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया।

साथ घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ रात के समय संदिग्ध गतिविधियों की जांच और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान कर विकास स्वामी उर्फ पंकुड़ी (27)

निवासी भट्ठा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

प्रथम चरण का प्रचार थमा, आज रवाना होंगे मतदान दल

22 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान

जयपुर। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के तहत जयपुर जिले में प्रथम चरण के मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रथम चरण के लिए बुधवार, 21 अक्टूबर को मतदान दल अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना होंगे।

मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, ईवीएम के संचालन तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद दलों को निर्वाचन सामग्री एवं निर्धारित व्यवस्थाओं के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने मंगलवार को भवानी निकेतन फार्मसी कॉलेज परिसर में सभी संबंधित 8 पंचायत समितियों को रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य सभी चुनाव से जुड़े अधिकारियों के साथ प्रथम चरण के मतदान



जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने अधिकारियों के साथ प्रथम चरण के मतदान व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वीसी के माध्यम से सभी संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण की निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ-साथ चुनावों से संबंधित

सभी कार्मिकों को निर्वाचन को राष्ट्रीय महत्व का कार्य मानते हुए पूर्ण निष्ठा, निष्पक्षता, ईमानदारी एवं गंभीरता से संपादित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने मतदान के उपरांत ईवीएम का संग्रहण संबंधित पंचायत समिति मुख्यालय पर कर उसे भवानी निकेतन फार्मसी कॉलेज परिसर में सुरक्षित

- **निर्वाचन कार्य को राष्ट्रीय महत्व का कार्य मानते हुए पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा, निष्पक्षता एवं गंभीरता से करें संपादित - जिला निर्वाचन अधिकारी**

पहेंचाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए गुरुवार, 22 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण में पंच एवं सरपंच पदों के लिए शुक्रवार, 23 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद शनिवार, 24 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

पंचायती राज में भाजपा की जीत से खुलेगी ग्रामीण विकास की राह: मदन राठौड़

- **ग्रामोत्थान से ही राष्ट्रोत्थान का मार्ग होगा प्रशस्त: मदन राठौड़**
- **भाजपा को जीताकर कांग्रेस की कट-कमीशन वाली संस्कृति को करें समाप्त: मदन राठौड़**

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा के लिए गांव, गरीब सबह महत्वपूर्ण रहे हैं। अंत्योदय का दिवार गांव और गरीब को संभल बनाने को दिशा में काम करता है। ग्रामोत्थान ही राष्ट्रोत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। इसलिए गांवों में ईमानदार और विचार के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं का चुनाव जीतना जरूरी है ताकि जनता के लिए बन रही कल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत क्रियान्वयन हो सके और कांग्रेस द्वारा विकसित की गई कट-कमीशन की संस्कृति को समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, किसानों की समृद्धि,

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गांवों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ कृषि, पशुपालन, ग्रामीण उद्योग और स्वरोजगार को प्रोत्साहन देना आवश्यक है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो और स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर सृजित हों। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाना और विकास को की गुणवत्ता सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की वास्तविक प्रगति तभी सुनिश्चित होगी, जब गांवों का विकास प्राथमिकता के आधार पर होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, सिंचाई, पेयजल, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किसानों, मजदूरों तथा ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित को केंद्र में रखकर ग्रामीण विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण जनता के सामूहिक प्रयासों से गांव आत्मनिर्भर बनेंगे और राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे।

सार-समाचार

जोधपुर के रामलीला मैदान में 60 फीट ऊंचा रावण का पुतला खाक

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के रामलीला मैदान में 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। यहां रावण दहन देखने के लिए शहरवासी बड़ी संख्या में पहुंचे। जोधपुर मेयर प्रसन्न चंद मेहता, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल और पूर्व नरेश गजसिंह ने इलेक्ट्रिक वायर का बटन दबाकर रावण के पुतले का दहन किया। रावण दहन के बाद आतिशबाजी की गई। रावण दहन से पहले रावण के मुकुट से चिंगारियां निकलने लगी। इस दौरान शहरवासियों ने जयश्री राम के जयकारे लगाए।रावण के पुतले को पारंपरिक अंदाज में धोती, जोधपुरी अचकन, सिल्क की धोती और जूतियां पहनाई गई थीं। पहले रावण के परिजनों के पुतलों का दहन किया गया इसके बाद गोधूलि बेला में अहंकार के प्रतीक रावण का दहन किया गया। इससे पूर्व सुहृद 11 बजे नगर निगम के अधिकारी और पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने मेहरानगढ़ दुर्ग पहुंचकर प्रभु श्रीराम और मां चामुंडा की पूजा-अर्चना की। इसके बाद निर्धारित मुहूर्त में विधिवत पूजा के साथ राज व्यास श्रीराम की सवारी रवाना हुई। रामरथ यात्रा के आगे शहर के अखाड़ा दलों के कार्यकर्ता करतब दिखाते हुए चल रहे थे। यात्रा मार्ग में आने वाले मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। जगह जगह इस रामरतन यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इसके साथ ही जोधपुर में कुड़ी भगतासनी, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड हाउसिंग बोर्ड सहित शहर के अनेक स्थानों पर रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गुलाबगंज में पथ संचलन निकाला

रेवदर, (निंस्)। गुलाबगंज मंडल में विजयादशमी पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गांव में पथ संचलन निकाला। इसमें शहर की विभिन्न गलियों से बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने उत्साह से भाग लिया और पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने घोष वादन की धुन पर अनुशासन का संदेश दिया। पथ संचलन से पहले राजगुरु स्कूल परिसर में एकत्रीकरण हुआ। स्कूल में शस्त्र पूजन के बाद घोष वादन के साथ संचलन शुरू हुआ। पथ संचलन लक्ष्मी नारायण मन्दिर, लादावाडा, रामदेवजी मन्दिर, हाइवे सहित विभिन्न प्रमुख मार्ग से होकर वापस स्कूल पहुंचा। इसके बाद यहां बौद्धिक कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ, जिसमें अध्यक्षता रेवदर खंड संघचालक राजेश ने की। मुख्य वक्ता के रूप में जालोर विभाा के विभाग सेवा प्रमुख भूपेंद्र रहे। खंड प्रचारक कमलेश की भी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता जालोर विभाग के विभाग सेवा प्रमुख भूपेंद्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति शताब्दियों पुरानी है, लेकिन कुछ कालखंडों में लुटेरे आक्रमणकारियों ने इसे विध्वंस करने का प्रयास किया, जिससे सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्थाएँ छिन्न भिन्न हुई। ऐसी परिस्थितियों में वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को स्थापना की। संघ का लक्ष्य हिंदू समाज को संगठित करना है, जिसके लिए शाखा महत्वपूर्ण कड़ी है। पथ संचलन के दौरान शहरवासियों में खासा उत्साह दिखा। मार्गों पर स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, बुजुर्गों, बच्चों और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने जेसीबी द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत अभिनंदन किया। पथ संचलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में गुलाबगंज शाखा के मुख्य शिक्षक, मंडल कार्यावाह, खंड कार्यवाह और गुलाबगंज की पूर्ण शाखा टोली से लेकर थानाधिकारी के नेतृत्व में थाना टीम मुस्तैद रही। यातायात पुलिस ने गांव के प्रमुख मार्ग पर यातायात व्यवस्था को संभाला।

इंटेक का दशहरा स्नेह मिलन का हुआ

जैसलमेर, (नि.सं.)। इंटेक जैसलमेर अध्याय की ओर से दशहरा स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्वातियर से जैसलमेर पधारे अग्रवासी जैसलमेर एवं इंटेक के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तथा चैटर एडवाइजरी कमेटी के अध्यक्ष नीलकमल माहेश्वरी का नाचना हवेली में स्वागत किया गया। इंटेक जैसलमेर अध्याय के संयोजक विक्रमसिंह नाचना के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने इंटेक सदस्य एवं साहित्यकार स्व. लक्ष्मीनारायण खत्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके साहित्यिक योगदान का स्मरण किया। इस दौरान इंटेक जैसलमेर अध्याय की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों पर चर्चा की गई। नीलकमल माहेश्वरी ने अध्याय की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए भविष्य में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में उपसंयोजक वीरेन्द्रसिंह, अतिरिक्त सहसंयोजक राहीप भाटिया, जयनारायण भाटिया, जितेन्द्र सिंह राठीड़, आनंद पुरोहित, चंद्रप्रकाश पुरोहित, गिरधर मल्होत्रा, साबिर, रोहन तिवारी, चमन खत्री, जीवन खत्री, रामचंद्र खत्री, धनश्याम खत्री एवं शंकर खत्री सहित इंटेक के सदस्य उपस्थित रहे।सिंह पाली विधानसभा प्रभारी मनोनीत

बाण माताजी की वर्षगांठ मनाई

रेवदर, (निंस्) । रेवदर के निकट बाण माताजी की पांचवीं वर्षगांठ श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बीती रात भव्य भजन संख्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायक अनंत लोहार, बटुक मुरारजी, लोक साहित्यकार अशोक सुथार, अमृत संत एवं नेत्रहीन शोबिन्द्र मोदी सहित अन्य कलाकारों ने प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। आज कलश यात्रा के बाद डीजे और ढोल की धुन पर पूरे गांव में भव्य वरघोडा निकाला गया। इसमें गांव की माताओं-बहनों, युवाओं एवं समस्त ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । पूरा गांव माता रानी के जयकारों से गुंज उठा। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम को सफल बनाने में बाण माताजी युवा टीम एवं समस्त ग्रामवासियों ने बढ-चढकर सेवा और सहयोग दिया। साथ ही, सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करने वाले समस्त भक्तों का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

चुनाव के लिए कांग्रेस ने कोर कमेटी बनाई

पाली, (नि.सं.)। पंचायती राज आन चुनाव 2026 को लेकर युवक कांठोस ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी है। इसके तहत युवक कांठोस जिलाध्यक्ष ने पाली क्षेत्र विधानसभा प्रभारी समेत कोर कमेटी का गठन किया है। युवक कांठोस जिलाध्यक्ष राकेश कुमार संवशा ने बताया कि पाली विधानसभा क्षेत्र मे अध्यक्ष रिकी सिंह को प्रभारी एवं कोर कमेटी के रूप मे ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश भाटी, विकास राठीड़, नरेश चौधरी, मोहम्मद साजिद, महेश बागोरिया, तरुण रावल, देवी सिंह, राघव शर्मा, प्रवीण चारण, जगाराम मौणा, निशित गहलोत, आरिफ कादरी, मोहन गुजर, समीर मोयला, मोहम्मद यासीन एवं महावीर प्रजापत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अध्यक्ष रिकी सिंह ने बताया कि सभी पदाधिकारी पाली विधानसभा क्षेत्र के अधीन आने वाली ठाम पंचायतों में पहुंचकर कांठोस प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार में सहयोग करने के साथ संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे।

गरबा पंडालों में जमकर खनके डांडिया

पाली, (नि.सं.)। नवरात्रि के अंतिम दिन शहर के विभिन्न जगह पर हो रहे डांडिया गरबा नृत्य में धूम रही। जहां युवक युवतियां रंग बिरंगी पोशाक पहने डीजे की धुन पर देर रात तक नृत्य करते रहे। इसी क्रम में बागरमोला स्थित बागेव्क मंडल की ओर से स्वर्णकर समाज की महिला-पुरुषों ने गरबा नृत्य किया। वहीं बच्चों की फैसी ड्रेस प्रतियोगिता की गई। वहीं पुराना सफे स्टैंड के निकट राज राजेश्वरी राजल माता मंदिर के पास अंतिम दिन देर रात तक गरबा नृत्य चला। इसी प्रकार अमरनाथ नगर, महेश वाटिका वेद सेन समाज बगीची में भी गरबा नृत्य का आयोजन हुआ।

हिंदी निबंध में शिवलाल व कीर्ति को पुरस्कार

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जोधपुर मंडल के दो कर्मचारियों को महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने जयपुर में सम्मानित किया। राजभाषा अधिकारी भंवर सिंह मीना ने बताया कि प्रतियोगिता में जोधपुर कारखाना के मुख्य अनुदेशक/बीटीसी शिवलाल जयसिंह पुरोहित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं यातायात लेखा विभाग की वरिष्ठ लेखाकार कीर्ति कणिक को प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया गया। जयपुर स्थित उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय में सोमवार को आयोजित राजभाषा पखवाड़ा-2026 के पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में दोनों कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

आरएसएस ने निकाला पथ संचलन

जैसलमेर, (नि.सं.)। विजयादशमीपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से शहर में पथ संचलन निकाला गया। गांधी कॉलोनी स्थित आदर्श विद्या मंदिर से शुरू हुआ अंश पंचलन शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए गीता आश्रम के पास स्थित बाल भारती विद्यालय पहुंचकर संपन्न हुआ। पूर्ण गणवेश में शामिल स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल करते हुए संगठन, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। जगह-जगह स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। स्वयंसेवकों का अनुशासन और एकरूपता आकर्षण का केंद्र रहे।

जालोर सामान्य सीट, प्रधान पद पर कई दावेदारों की नजर

जालोर, (कासं) । जालोर पंचायत समिति में प्रधान पद सामान्य महिला के लिए निर्धारित होने के साथ ही राजनीतिक सरगमियां तेज हो गई हैं। पंचायत चुनाव को लेकर संवीक्षा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्रत्याशी प्रचार में जुट गये हैं । वही इस बार प्रधान पद सामान्य महिला होने से भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय दावेदार भी चुनाव में ताल ठोके हुए हैं। इस पद पर अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए विभिन्न राजनीतिक खेमों में रणनीति बनाए जाने की चर्चा है।

जालोर पंचायत समिति में सामान्य महिला होने से भाजपा कांठोस व निर्दलीय प्रत्याशी इस चुनाव में पूरा जोर आजमाईश करने में लगे हुए हैं। 28 अक्टूबर को द्वितीय के चुनाव सम्पन्न होंगे। जिसमें जालोर पंचायत समिति के चुनाव भी द्वितीय चरण में होने से

बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक दशहरा मनाया



जालोर के स्टेडियम में दशहरा पर्व को लेकर रावण के पुतले का दहन किया।

फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (नि.सं.)। जालोर जिले में दशहरा (विजयदशमी) का पर्व क्षेत्रभर में श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जालोर शहर के स्टेडियम ग्राउण्ड में शाम को रावण के पुतले का दहन किया गया।

दशहरा पर्व को लेकर शहरवासियों में उत्साह का माहौल नजर आया। रावण दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। दशहरा भारतीय संस्कृति और परंपरा का प्रमुख पर्व है। भगवान श्रीराम द्वारा रावण का वध किए जाने की स्मृति में मनाया जाने वाला यह पर्व लोगों को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। रावण दहन के दौरान शहरवासी इस ऐतिहासिक परंपरा के

साक्षी बनें। रावण दहन से पूर्व चामुण्डा माता मंदिर भगवान श्रीराम की शोभायात्रा रावण दहन करने के लिए रवाना हुई। शहर के विभिन्न मार्गों से होती शोभायात्रा रावण दहन स्थल स्टेडियम ग्राउण्ड पहुंची। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की झंकी आकर्षक का केन्द्र रही, वहीं युवा भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शुभ मुहूर्त पर भगवान श्रीराम ने रावण के पुतले पर अग्नि बाण चलाकर दहन किया। इसके साथ मेघनंद व कुंभकरण के पुतले का भी दहन किया गया। रावण दहन से पूर्व स्टेडियम ग्राउण्ड में आकर्षक आतिशबाजी की गई। रंग बिरंगी अतिशबाज से आसमान की चमक उठा। रावण दहन के साथ ही विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास और

धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। यह पर्व समाज को संदेश देता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और अच्छाई की ही होती है। इस अवसर पर लोगों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को याद करते हुए सत्य, धर्म, मर्यादा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। दशरहे का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, जो हमें जीवन में अहंकार, अन्याय और अधर्म का त्याग करने की प्रेरणा देता है। पर्व के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लोगों ने परिवारजनों एवं मित्रों के साथ एक-दूसरे को दशहरा की शुभकामनाएं दीं। बच्चों और युवाओं में भी पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

छोटूसिंह भाटी ने जनसंपर्क किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर जैसलमेर ग्रामीण क्षेत्र में विधायक छोटूसिंह भाटी ने दो दिवसीय जनसंपर्क अभियान के तहत विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों एवं प्रबुद्धजनों से मुलाकात कर संवाद किया तथा आगामी चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आहवान किया।

जनसंपर्क अभियान के प्रथम दिन सोमवार को विधायक भाटी आशपाच, आकल, कीता, भोपा, नरसिंगो की ढाणी, उगवा, शोभ, जानरा, सोडा एवं

कोटडी पहुंचे। वहीं दूसरे दिन बरण, खुहड़ी और चेलक सहित अन्य गांवों में ग्रामीणों से संपर्क कर चुनावों को लेकर चर्चा की। उन्होंने पंचायतों में जनहित, विकास कार्यों और आमजन की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने का बात कही।

इस दौरान विधायक भाटी ने केंद्र एवं राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, ग्रामीण विकास के प्रयासों और पात्र परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से

योजनाओं का लाभ उठाने तथा विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आहवान किया।

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों से आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर भी चर्चा की गई।

दौरे के दूसरे दिन विधायक भाटी ने विभिन्न गांवों में आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेकर क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए क्षेत्र की आवश्यकताओं और विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

बालोतरा में 5 5 फीट की जगह 3 7 फीट का पुतला, रिमोट फेल होने पर हाथ से जलाया

बालोतरा, (निंस्) । विजयादशमी के अवसर पर बालोतरा में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम इस बार उत्सव से ज्यादा सवालों को लेकर चर्चा में है। 55 फीट ऊंचा रावण का पुतला तैयार किए जाने की बात के बीच मौके पर उसकी ऊंचाई करीब 37 फीट बताई जा रही है। रिमोट से रावण दहन करने की व्यवस्था भी काम नहीं आई।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रिमोट से पुतला जलाने का इंतजार करते रह गए, लेकिन आखिरकार पुतले को हाथ से आग लगाकर जलाना पड़ा। इसके बाद रावण का पुतला महज एक मिनट में जलकर राख हो गया। पूरे घटनाक्रम ने आयोजन की तैयारियों, पुतले के निर्माण और व्यवस्थाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब शहर में चर्चा है कि आखिर आयोजन की तैयारियां किस स्तर पर की गई थीं और इन व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी किसकी थी?

55 फीट का पुतला की बात, मौके पर 37 फीट

आयोजन को लेकर सबसे बड़ा सवाल पुतले की ऊंचाई को लेकर उठ

■ भाजपा से राम कंवर और दुर्गा कंवर दावेदार, कांग्रेस से हेमंत कंवर व मुन्ना कंवर के नाम चर्चा में, निर्दलीय सुरेन्द्र कंवर भी मैदान में

और कांग्रेस दोनों ही दलों में संभावित दावेदारों के नामों पर नजरें टिकी हुई हैं। भाजपा में विधायक जोगेश्वर गर्ग के करीब बजरंगसिंह की पत्नी राम कंवर को लेकर कायस लगा रहे हैं वही जसवंतसिंह की पत्नी दुर्गा कंवर के नाम चर्चा में हैं। चुरा रावला क्षेत्र में वर्चस्व रखता है तथा धानपुर की मुन्ना कंवर को कड़ी टक्कर मिलने की संभावना है। वही जालोर पंचायत समिति के प्रधान यह तो लेकर भाजपा

लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।प्रधान पद सामान्य महिला के लिए निर्धारित होने के कारण इस पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। पंचायत समिति में प्रधान का चयन किस प्रकार के राजनीतिक समीकरणों के बीच होगा, इस पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की नजरें रहेंगी। फिलहाल भाजपा से राम कंवर और दुर्गा कंवर, कांग्रेस से हेमंत कंवर और मुन्ना कंवर तथा निर्दलीय सुरेन्द्र कंवर के नाम चर्चा में हैं। अब देखना होगा कि आगे चलकर कौन-कौन अपनी दावेदारी कायम रखता है और प्रधान पद को लेकर अंतिम तस्वीर क्या बनती है। यह तो चुनाव परिणाम के बाद भी साफ होगी।जालोर पंचायत समिति में प्रधान कौन बनेगा यह तो चुनाव परिणा से तस्वीर साफ होगी।

पाली में लंका दहन के साथ हुई आतिशबाजी

पाली, (नि.सं.)। नगर निगम पाली की ओर से दशहरा पर्व-2026 के अवसर पर मंगलवार को रामलीला मैदान में भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम शाम 5 बजे प्रारंभ हुआ। अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व के अवसर पर भव्य आतिशबाजी एवं रावण सहित उसके भइयों के पुतलों का दहन किया गया। भगवान राम की सवारी मैदान में पहुंची और रावण राम बने का युद्ध हुआ। 6.45 बजे रिमोट से रावण, मेघनाथ, कुंभकरण के पुतलों का दहन अतिथियों द्वारा किया गया किया। आसमान में रंग बिरंगी आतिशबाजी का जनता ने आनंद उठाया। रावण और उनके परिवार के पुतले डेढ़ मिनट में ही जल गए।करीब

आधा घंटे हुई आतिशबाजी ने मन मोहा। कार्यक्रम में पाली सांसद पी.पी. चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अध्यक्षता देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्य सरकार के प्रतिनिधि ओमप्रकाश भडाना, विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, सुनील भंडारी तथा पाली के पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर रविन्द्र गोस्वामी एवं पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन को सम्मानित अतिथियों के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम के आयोजक नगर निगम पाली की महापौर नमिता विकास बुबकिया, उपमहापौर महबूब टी एवं आयुक्त देवीलाल बोहरा हैं। पार्षद मौजूद रहे।

नवमी व दशमी साथ-साथ मनाई, शारदीय नवरात्र संपन्न

जोधपुर, (कासं)। देवी आराधना का पर्व शारदीय नवरात्रा मंगलवार को संपन्न हो गया। मंगलवार को उदयतिथि के अनुसार नवमी मनाई गई। इसके साथ ही तिथि टूटने के कारण आज दशमी भी मनाई गई। इस दौरान घरों व अन्य कई स्थानों पर घट स्थापित की गई दुर्गा मां की प्रतिमाओं का जैकारों के साथ जलसरोवरों में विसर्जन किया गया। महानवमी पर भी कई स्थानों पर कन्या पूजन किया गया। पूजन के बाद सभी कन्याओं को प्रसादी व उपहार भेंट किए गए। वहीं मेहरानगढ में चल रहे हवन की पूर्णाहुति की गई।

शारदीय नवरात्र पर अभिजीत काल में घट स्थापित की गई देवी मां की प्रतिमाओं को आज सुबह महानवमी पर जल सरोवरों में विसर्जन किया गया। इसके साथ ही नवरात्रा भी संपन्न हो गया। महानवमी पर सुबह भक्तों ने शहर के देवी मंदिरों में दर्शन किए। यहां दिनभर पूजा अर्चना का दौर जारी रहा। पूजा अर्चना के बाद प्रसादी का वितरण हुआ। इस अवसर पर देवी मंदिरों में कई धार्मिक अनुष्ठान भी हुए। मेहरानगढ दुर्ग स्थित मां चामुंडा माता मंदिर में सोमवार रात्रि को शुरू हुए हवन की पूर्णाहुति भी आज हुई।

मेहरानगढ म्यूजियम ट्रस्ट के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अजय सिंह शेखावत ने बताया कि मंगलवार को पूर्व नरेश गज सिंह व हेमलता राज्ये ने हवन में पूर्णाहुति दी। मुरली मनोहर मंदिर में मारवाड़ स्टड बालसमंद के अश्व राज सुरज, शस्त्र एवं शमी (खेजड़ी) की विधिवत पूजा भी गज सिंह द्वारा की गई। इसके बाद मेहरानगढ में दशहरा दरबार लगाया गया जिसमें

रेवदर में बुधेश्वर नवरात्रि गरबा मंडल ने शोभायात्रा निकाली

रेवदर, (निंस्) । रेवदर कस्बे में नवरात्रि महोत्सव का समापन अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और धार्मिक अंश के साथ हुआ। नवरात्रि के पावन पर्व के समापन अवसर पर बुधेश्वर नवरात्रि गरबा मंडल द्वारा माताजी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें समूचा कस्बा भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। अस्त्रक्ष श्रृंगार और डीजे की धुन पर झुमे श्रद्धालु नौ दिनों तक चले शक्ति की उपसाना के पर्व के बाद, स्थापित माताजी की प्रतिमा को विशेष रूप से मनमोहक परिधानों और पुष्पों से सुसज्जित कर ट्रैक्टर में विराजमान किया गया। शोभायात्रा में दर्जनों कस्बेवासियों ने हिस्सा लिया। ढोल की थाप और डीजे की भक्तिमय धुनों पर दर्जनों श्रद्धालु, विशेषकर युवतियां और महिलाएं नाचते-झूमते हुए चल रही थीं। जय माता दी के जयकारों से पूरा माहौल गुंजायमान हो उठा और चारों ओर उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

माताजी की यह शोभायात्रा बुधेश्वर चौक से पूरे गाँव-बाजे के साथ शुरू हुई। यहां से प्रस्थान कर यह यात्रा बीच स्टैंड, सियाराम कुटिया, राणा चौक और सरोसी माता मंदिर सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों और चौराहों से होते हुए सेलवाडा गांव की ओर मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शोभायात्रा के सेलवाडा गांव पहुंचने के पश्चात, सेलवाडा बांध पर माता की प्रतिमा के विसर्जन की प्रक्रिया संपन्न की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद नम आंखों और अगले बरस जल्दी आने की कामना के साथ माता की प्रतिमा को जल में विसर्जित किया गया।

बुधेश्वर नवरात्रि गरबा मंडल द्वारा इस वर्ष भी नवरात्रि के नौ दिनों तक भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया था। प्रतिदिन रात में आयोजित होने वाले इन गरबा कार्यक्रमों में कस्बे के सैकड़ों लोगों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया और भक्ति-भाव से गरबा नृत्य कर माता की आराधना की। इस पूरे आयोजन में मंडल के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

जोधपुर की 17 पंचायत समितियों में 787 उम्मीदवार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले की 17 पंचायत समितियों में दूसरे चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी के बाद अब 787 उम्मीदवार चुनाली मैदान में

रह गए हैं। इस चरण में 216 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए। वहीं, निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी चुनावी मुकामले को दिलचस्प बना दिया है।

टीडीएस अनुपालन एवं कानूनी

प्रावधानों पर गोष्ठी

जोधपुर, (कासं)। अपर आयकर आयुक्त निधि नायर, के मार्गदर्शन में परिवहन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को आयकर अधिनियम के अंतर्गत टीडीएस से संबंधित कानूनी प्रावधानों, अनुपालन की आवश्यकताओं, तथा छोटे स्तर के ट्रांसपोर्टर्स पर इन प्रावधानों के प्रभुतान पर लागू टीडीएस संबंधी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना तथा छोटे ट्रांसपोर्टेर को कर अनुपालन के दौरान आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराना था। आयकर अधिकारी नरेंद्र सांखला, तथा दीपाराम धांधे ने प्रतिभागियों को

भूमिका तथा कर अनुपालन सुनिश्चित करने में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी प्रदान की। जाकिर हुसैन, आयकर निरीक्षक तथा जयप्रकाश चौधरी, कार्यालय अधीक्षक द्वारा आयकर अधिनियम के तहत परिवहन सेवाओं से संबंधित टीडीएस प्रावधानों, प्रयोज्यता तथा आवश्यक दस्तावेजों आदि के बारे में जानकारी दी।

■ देवी मंदिरों में हुए कई कार्यक्रम, मेहरानगढ़ में हवन की पूर्णाहुति

पूर्व मारवाड़ रियासत के पूर्व जागीरदार, पूर्व ठाकुर अपनी पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए।

जुगल जोशी श्री बाबा रामदेव मंदिर राईकाबाग में शारदीय नवरात्रि महापर्व की पूर्ण आरती आज सैनाचार्य स्वामी अचलानंदगिरी महाराज के सानिध्य में हुई। सैनाचार्य के प्रतिनिधि रघुवीर सिंह भदावत ने बताया कि मंदिर परिसर में बने अखंड हवन यज्ञ कुंड पर घट स्थापना के साथ नौ दिवस तक विद्वान पंडित अंबालाल चौबीसा, राम प्रकाश निपाटी द्वारा दुर्गा सप्तशती पाठ का वाचन किया गया। हवन में प्रतिदिन 11 जोड़ों सपत्नीक द्वारा आहुतियां दी गईं।

बंगाली समाज ने निभाई सिंदूर खेला की रस्म

शारदीय नवरात्रा के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बंगाली समाज की ओर से आयोजित छह दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत समाज की महिलाओं ने सिंदूर खेला की रस्म निभाई। सरदारपुरा प्रथम डी रोड पर नेहरू पार्क के पीछे स्थित दुर्गाबाड़ी परिसर में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव में आज सुबह दशमी पूजन आरंभ हुआ। इसके बाद दर्पण विसर्जन एवं सिंदूर खेला की रस्म का आयोजन हुआ।

